महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
मनोविज्ञान विभाग, शिक्षा विद्यापीठ
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

Department of Psychology, School of Education

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

Accredited by NAAC Grade "A"

डॉ. अरुण प्रताप सिंह

संयोजक

विनोबा योग मण्डल

पत्रांक: 68/मनो.वि./जा.क्र./169

दिनांक:- 18 जनवरी 2016

सूचना

विश्वविद्यालय परिवार के द्वारा सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के संदर्भ में माननीय कुलपति महोदय के इच्छा और निर्देशानुसार मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित विनोबा योग मण्डल के द्वारा विश्वविद्यालय-परिसर और आस-पास के बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास हेतु 26 फरवरी, 2016 को "***चरित्र-निर्माण पाठशाला***" की शुरुआत की जा रही है। इस पाठशाला के उद्देश्य, जो कि बच्चों का मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक संवर्धन है, के अनुरूप योग, मनोवैज्ञानिक और शैक्षणिक अभ्यास कराये जाएँगे (विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संलग्नक देखें अथवा मनोविज्ञान विभाग में संपर्क करें)।

इस पाठशाला के संचालन में, श्रीमती नीतू सिंह, जो कि इसके पूर्व वर्धा शहर में बच्चों के समग्र विकास के लिए मनोविज्ञान विभाग के द्वारा आयोजित अनेक शिविरों में अवैतनिक रूप से योग-शिक्षिका बतौर अपनी सेवाएँ दे चुकी हैं, अपना सहयोग देंगी।

डा. अरुण प्रताप सिंह

सूचनार्थ-

1- माननीय कुलपति महोदय
2- अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ
3- अकादमिक संयोजक
4- संयुक्त कुलसचिव अकादमिक
5- लीला विभाग, विश्वविद्यालय की बेव साइट पर अपलोड करने हेतु

चरित्र-निर्माण पाठशाला

विनोबा योग मण्डल,

मनोविज्ञान विभाग

म. गा. अं. हिं. वि. वि. वर्धा

ज्ञान शांति मैत्री

परिचय

मूल्य ही जीवन-विकास के वास्तविक आधार होते हैं। जीवन के विविध क्रियाकलाप हमारे द्वारा अर्जित जीवन-मूल्यों से ही संचालित होते हैं। किन्तु यह विडंबनापूर्ण है कि वर्तमान शिक्षा-तंत्र मूल्यों के विकास पर बहुत कम ध्यान देता है। इसका परिणाम यह हुआ है कि वैयक्तिक जीवन में दिनोंदिन कुंठा बढ़ती ही जा रही है। अवसाद, चिंता, तनाव जैसे शब्द अब हर व्यक्ति के मुख से प्राय: सुनने को मिलते हैं। अपराधों में बढ़ोत्तरी हो रही है। सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता जा रहा है। कानून-व्यवस्था की समस्या कोई भी सरकार आए या जाये जस-की-तस बनी रहती है। विशेष रूप से नयी पीढ़ी, जो कि सतत रूप से मीडिया और उपभोक्तावाद के युग में जी रही है, अनेक मूल्यगत समस्याओं और उनके परिणामों से संत्रस्त है। ड्रग लेने की आदत अब आम होती जा रही है। युवा-हिंसा उफान पर है। देर में सोना और देर में सोकर उठना जैसे अब आम आदत बन गयी है। परिणामत: बच्चे और किशोर अनेक तरह स्वास्थ्यगत समस्याओं से दो-चार हो रहे हैं।

इन समस्याओं को लेकर प्राचीनतम रूप से हमारी संस्कृति में मूल्य-शिक्षा के सरोकार केंद्र-बिन्दु में रहे हैं। योग की परंपरा मूल्यगत समस्या से निपटने में हमेशा सहायक रही है। इसके द्वारा मानव-जीवन के प्रति हमारे दृष्टिकोण में परिष्कार आता है। नकारात्मक भावनायेँ रूपांतरित होने लगती हैं। सामाजिक संबंध सुधरने लगते हैं।

नवीन काल में चरित्रगत समस्याओं को समझने और उनको सुलझाने के लिए मनोविज्ञान में एक अत्याधुनिक ज्ञान और शोध की परंपरा का विकास हुआ है। यह ज्ञान है-सकारात्मक मनोविज्ञान (Positive Psychology)। मनोविज्ञान की इस शाखा ने चरित्र से संबन्धित अनेक गुणों के विकास पर ज़ोर दिया है। सकारात्मक मनोविज्ञान में अनेक अधुनातन शोधों के माध्यम से मूल्य-विकास के लिए नयी तकनीकों का विकास किया गया है।

उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में, विनोबा योग मण्डल विश्वविद्यालय के आस-पास निवास करने वाले बच्चो में मूल्य विकास हेतु चरित्र-निर्माण पाठशाला संचालित करने का संकल्प व्यक्त करता है।

कार्यप्रणाली

यह पाठशाला निः शुल्क रूप से सभी आय-वर्गों के बालकों को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस हेतु विश्वविद्यालय के कई इच्छुक विद्यार्थी जो इस तरह की रुचि रखते हैं भाग ले सकते हैं। ये विद्यार्थी, अध्यापक और विश्वविद्यालय-परिवार के अन्य सदस्य मिलजुलकर वर्धा शहर किसी भी मंदिर या पार्क जैसे सार्वजनिक स्थलों पर पाठशाला चला सकते हैं। इस पाठशाला में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बालकों में सर्वधर्म समभाव, स्वस्थ जीवन शैली, और उच्च गुणों का विकास हो।

कार्य

- विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को समाजोन्मुख बनाना

- आस-पास के परिवेश के बच्चों में मनोवैज्ञानिक अभ्यासों के माध्यम से जीवन मूल्य का विकास
- बालकों के बीच योग का प्रचार
- गरीब या अन्य आय वर्ग के बच्चों को सकारात्मक विकास का अवसर प्रदान करना

गतिविधियां

- योग प्रशिक्षण
- लाइफ स्किल्स शिक्षण
- जीवन शैली प्रशिक्षण
- मनोवैज्ञानिक अभ्यास
- खेल
- बाल-नाटिका
- बालगीत
- विभिन्न धार्मिक परम्पराओं से जुड़ी हुई बाल-कहानियाँ
- सकारात्मक मनोविज्ञान के अभ्यास

पंजीकरण फार्म

मै चरित्र निर्माण पाठशाला में भाग लेना चाहता/चाहती हूँ।

नाम: : .....

अभिभावक का नाम: : .....

लिंग: : .....

आयु : .....

पता : .....

: .....

: .....

: .....

ई-मेल : .....

मोबाईल नंबर : .....

स्वास्थ्य से संबन्धित कोई

विशेष समस्या : .....

(यदि है तो बताएं) : .....

: .....

दिनांक : प्रतिभागी हस्ताक्षर

हस्ताक्षर अभिभावक:

अभिभावक की टिप्पणी:

नोट: पंजीकरण फार्म की भरी हुयी स्कैन कापी आन लाइन jyotiarun13@gmail.com पर भी भेजी जा सकती है।